एक टॉयलेट के सहारे 40 छात्र, कचरे के बीच गुजर रहा जीवन

श्यामला हिल्स के डॉ. अंबेडकर छात्रावास की बदहाल तस्वीर

रोहित रजक

भोपाल, 20 मई. राजधानी का वीवीआईपी माने जाने वाले श्यामला हिल्स क्षेत्र में सीएम हाउस से कुछ दूरी पर स्थित शासकीय डॉ. अंबेडकर अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन छात्रावास की हालत बद से बदतर होती जा रही है.

छात्रावास में 50 सीट क्षमता होने के बावजूद वर्तमान में करीब 40 छात्र रह रहे हैं, जबकि लगभग 10 सीटें खाली पड़ी हैं.छात्रों का आरोप है कि पीजी और यूजी प्रवेश लंबे समय से बंद कर रखे गए हैं, जिससे ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. इस मामले में छात्रावास के वार्डन राजीव सक्सेना से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन वह कार्यालय में नहीं मिले और फोन पर भी कोई जवाब नहीं दिया गया. छात्रावास का हाल देखकर ऐसा लगता है जैसे यहां वर्षों से किसी ने व्यवस्था सुधारने की कोशिश ही नहीं की. परिसर में जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हैं.

कमरों के बाहर गंदगी फैली हुई है और सफाई के लिए कोई कर्मचारी मौजूद नहीं है.छात्रों को खुद मिलकर झाड़ू-पोंछा और सफाई करनी पड़ती है. सबसे गंभीर स्थिति टॉयलेट की है. लगभग 40 छात्रों के लिए सिर्फ एक टॉयलेट चालू हालत में है, जबकि बाकी सभी टॉयलेट जर्जर होकर बंद पड़े हैं. छात्रों का कहना है कि बड़े पेड़ों की जड़ों के कारण टॉयलेट की दीवारें और फर्श टूट रहे हैं.

छात्रों का आरोप है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा बिना सही निरीक्षण किए छात्रावास भवन को जर्जर घोषित करने की कोशिश की जा रही है. जबकि भवन मजबूत हालत में है.छात्रों का कहना है कि केवल प्राइम लोकेशन खाली कराने के लिए झूठी रिपोर्ट बनाई जा रही है.इस मामले को लेकर छात्र पहले भी भोपाल कलेक्टर, संभाग आयुक्त, राज्यपाल और अनुसूचित जाति विभाग को ज्ञापन दे चुके हैं,

छात्र लालचंद अहिरवार ने नवभारत के इस संवाददाता को बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से यहां रहकर मोतीलाल महाविद्यालय में माइक्रोबायोलॉजी की पढ़ाई कर रहे हैं.उन्होंने कहा कि छात्रावास में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी है और मेंटेनेंस के नाम पर आने वाला बजट छात्रों तक दिखाई नहीं देता.उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती जैसे कार्यक्रमों के लिए भी वार्डन द्वारा कोई राशि नहीं दी गई, जिसके बाद छात्रों ने चंदा इकट्ठा कर कार्यक्रम आयोजित किया.

प्रथम वर्ष के छात्र सहवाग बंसकार ने बताया कि छात्रावास में कर्मचारियों की भारी कमी है और भोजन व्यवस्था भी खराब है.छात्रों को केवल छह रोटियां दी जाती हैं, जिससे उनका पेट नहीं भरता.उन्होंने कहा कि कई बार विरोध प्रदर्शन के बाद ही कुछ छोटी सुविधाएं मिल पाती हैं.

सहवाग बंसकार

एक नजर में

सीएम के काफिले को आरक्षक ने किया ओवरटेक

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सिक्योरिटी में बुधवार को कॉहेफिजा इलाके में चूक की घटना सामने आई. काफिला लालघाटी से निकल रहा था, तभी मुख्यमंत्री के काफिले को एक आरक्षक ने ओवरटेक किया. इसके चलते सीएम का काफिला कुछ देर के लिए रोक दिया गया. जानकारी के मुताबिक सीएम के काफिले को लेकर लालघाटी पर कॉफेफिजा पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था लगाई गई थी. यहां सुरक्षा को तोड़ते हुए निशातपुरा में पदस्थ आरक्षक ने काफिले को ओवरटेक किया. मामले की जांच की जा रही है. आरक्षक की भी पहचान की जा रही है.

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म

भोपाल. अवधपुरी इलाके में एक तलाकशुदा महिला को शादी का झांसा देकर आरोपी ने दो साल तक दुष्कर्म किया. पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. जानकारी के मुताबिक 27 वर्षीय पीड़िता की पहचान ईटखेड़ी निवासी आदित्य सिंह ठाकुर से अनुसार करीब दो साल पहले हुई थी. एमपी नगर स्थित एक पब में दोनों मिले और उनके बीच बातचीत शुरू हुई. दोस्ती प्रेम प्रसंग में बदली और आरोपी ने शादी करने का वादा कर पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता का आरोप है कि इसके बाद वह लगातार शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा.

राजीव गांधी शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आज

विशेष संवाददाता

भोपाल, 20 मई. भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि 'शहादत दिवस' के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी भोपाल शहर द्वारा 21 मई को शहर में विभिन्न श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे.

कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10:30 बजे बिट्टन मार्केट चौराहे पर स्थित राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी.

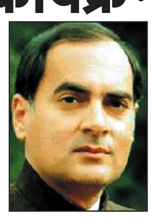

इसके बाद सुबह 11 बजे शिवाजी नगर स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी. इसके पश्चात सुबह 11:30 बजे पुरानी विधानसभा के सामने स्थित बाल यातायात पार्क में तीसरा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की गई है.

ट्विशा के फरार पति पर अब 30 हजार का इनाम

रिटायर्ड सैनिकों ने निकाली बाइक रैली

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 मई. कटारा हिल्स इलाके में हुई ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में फरार उनके वकील पति समर्थ पर पुलिस ने इनाम की राशि बढ़ा दी है. भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने यह इनाम घोषित किया है. समर्थ पर अब 30 हजार रुपए की राशि घोषित कर दी गई है.

पहले 10 हजार रुपए दी. बुधवार को पुलिस कमिश्नर का यह आदेश जारी हुआ. पुलिस कमिश्नर ने कहा कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 6 टीमें एक्टिव है. मामले में गठित एसआईटी सभी एंगल से जांच में जुटी है. भोपाल पुलिस इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई कर रही है. मामले में पुलिस ने दो दिन के भीतर एफआईआर दर्ज की है. ट्विशा शर्मा की मौत के मामले में उनके पिता सहित परिजनों ने ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए है. दहेज प्रताड़ना की धाराओं के तहत पुलिस ने मामला दर्ज किया है. वहीं इस मामले में रिटायर्ड सैनिक भी ट्विशा के पिता के समर्थन में उतर आए हैं. रिटायर्ड सैनिकों ने निष्पक्ष जांच की मांग करते बाइक रैली निकाली. रिटायर्ड जनरल श्याम सुंदर की अगुवाई में लाल परेड ग्राउंड से उनके साथियों ने पहुंचकर प्रदर्शन किया. इसके बाद स्पेशल डीजी अनिल कुमार शर्मा को मांगपत्र सौंपा गया. ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा से मुलाकात कर रिटायर्ड सैनिकों ने उनका पूरा सहयोग देने की बात कही.

राष्ट्रीय महिला आयोग ने मांगा जवाब

भोपाल. राष्ट्रीय महिला आयोग ने 33 वर्षीय ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मृत्यु संबंधी अत्यंत गंभीर मीडिया रिपोर्ट्स पर स्वतः संज्ञान लिया है. विवाह के मात्र पांच माह के भीतर ट्विशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हुई. पीड़िता के परिजनों ने पति समार्थ सिंह एवं सास गिरिबाला सिंह पर दहेज उत्पीड़न, मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं. आयोग की अध्यक्षा विजया रहाटकर ने मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर मामले में तत्काल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं. आयोग ने सात दिनों के भीतर विस्तृत एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है. आयोग ने एफआईआर में लगाए गए प्रावधानों, आरोपियों की गिरफ्तारी और पूछताछ की स्थिति, फरार आरोपी समार्थ सिंह की गिरफ्तारी के लिए उठाए गए कदमों, पासपोर्ट इंपाउंडमेंट की स्थिति, सीसीटीवी फुटेज, कॉल रिकॉर्ड्स, इलेक्ट्रॉनिक एवं फोरेंसिक साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा पूर्व में की गई शिकायतों पर की गई कार्रवाई संबंधी जानकारी मांगी है. साथ ही आयोग ने यह भी निर्देश दिया है कि पीड़िता के परिवार को किसी प्रकार की धमकी, दबाव या चरित्र हनन से संरक्षण सुनिश्चित किया जाए.

राजधानी में मेडिकल स्टोर्स रहे बंद

ऑनलाइन दवा बिक्री का किया विरोध

नवभारत संवाददाता

भोपाल, 20 मई. राजधानी में बुधवार को ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स के आह्वान पर हड़ताल की गई. हड़ताल के समर्थन में शहर में लगभग 3 हजार मेडिकल स्टोर्स बंद रहे.

यह देशव्यापी हड़ताल ऑन लाइन दवा की बिक्री के विरोध में की गई. अस्पताल के परिसर में संचालित सभी मेडिकल स्टोर्स खुले रहे. उन्हें हड़ताल से दूर रखा गया था. भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ का कहना है, शहर के सभी मेडिकल स्टोर्स बंद रहे. थोक दवा बाजार भी बंद रखा गयौ.

बाजार में ऑनलाइन सिस्टम का पुतला भी दहन किया है. उन्होंने कहा कि ऑनलाइन बिक्री से मेडिकल दुकानों की बिक्री में कमी आई है. इस समस्या के चलते देश के सभी मेडिकल स्टोर संचालकों ने हड़ताल की. इस हड़ताल से मरीजों के परिजन दवाई के लिए भटकते रहे. इस हड़ताल के समर्थन में शहर के थोक व रिटेल विक्रेता शामिल रहे.

पुलिस ने लौटाए 12 लाख के गुम मोबाइल

पुलिस उपायुक्त जोन-3 से मिले 50 लोग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 मई. हनुमानगंज थाना पुलिस ने 'सीईआईआर' पोर्टल के माध्यम से गुम हुए 12 लाख रुपए की कीमत के मोबाइल फोन ढूंढ निकाले. बुधवार को पुलिस उपायुक्त जोन-3 आयुष गुप्ता ने कार्यालय में 50 मोबाइल मालिकों को उनके फोन लौटाए.

गुम हुए अपने मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे खिले दिखाई दिए. पुलिस उपायुक्त जोन-3 आयुष गुप्ता ने बताया कि 'सीईआईआर' पोर्टल के माध्यम से पुलिस ने 50 महंगे स्मार्टफोन बरामद किए हैं.

बरामद मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 12 लाख रुपये है. पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने लंबित आवेदनों का तकनीकी विश्लेषण कर इन फोनों को ट्रेस किया. थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया के नेतृत्व में टीम ने सीडीआर और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से यह बड़ी कामयाबी हासिल की. पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि फोन गुम होने पर तुरंत नजदीकी थाने में सूचना दें और संबंधित पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं.

नीट पेपर लीक के विरोध में किया प्रदर्शन

एनटीए को समाप्त करने की मांग की

भोपाल,20 मई. नीलम पार्क में स्कूल बचाओ संघर्ष समिति और मूवमेंट अगेंस्ट अनएम्प्लॉयमेंट के बैनर तले सरकारी स्कूलों को बंद करने के विरोध और नीट पेपर लीक और एनटीए को समाप्त करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया गया.

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र, युवा और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए.प्रदर्शन को संबोधित करते हुए समिति की सदस्या अम्बिका ने कहा कि मध्यप्रदेश के 94 हजार सरकारी स्कूलों को बंद करने से गरीब और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी.उन्होंने कहा कि इससे शिक्षा निजी संस्थानों के हाथों में चली जाएगी और आम लोगों के लिए शिक्षा महंगी हो जाएगी. एमएयू भोपाल के सदस्य सोनू सेन ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए.उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार दूसरी बार पेपर लीक होने से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है. प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि पेपर लीक की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उच्च शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें और एनटीए एजेंसी को खत्म किया जाए.

हलालपुर पटाखा दुकानों की एक बार फिर होगी जांच

देवास हादसे के बाद जागा प्रशासन

भोपाल, 20 मई. देवास में हुए हादसे के बाद राजधानी के हलालपुर पटाखा बाजार में एक बार फिर प्रशासन जांच करने की तैयारी कर रहा है. हलालपुर पटाखा बाजार घनी आबादी के बीच है.

इस पटाखा बाजार को शहर से बाहर शिफ्ट करने का मामला पिछले एक दशक से सिर्फ सरकारी फाइलों तक ही सीमित है. प्रदेश या देश में जब भी कोई बड़ा हादसा होता है, तो प्रशासन जल्दबाजी में शिफ्टिंग की तैयार करती है, लेकिन बाद में मामला ठंडे बस्ते में चला जाता है. अब कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने एक बार फिर एसडीएम को बाजार के निरीक्षण के निर्देश जारी किए हैं.

बता दें कि पहले पटाखा बाजार कबाड़खाना इलाके में स्थित था लेकिन तीन दशक पहले हुए एक दर्दनाक हादसे के बाद प्रशासन ने इसे हलालपुर में शिफ्ट कर दिया था. तब यह इलाका शहर से दूर और वीरान था. यहां पर बसाहट कम थी.

साली को जान से मारने की कोशिश करने वाला गिरफ्तार

भोपाल. थाना स्टेशन बजरिया पुलिस ने साली को छुरी मारकर हत्या का प्रयास करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है. पत्नी के फोन पर साली से बात करने पर आरोपी नाराज था. आरोपी ने घर से बाहर साली को बुलाकर घटना को अंजाम दिया था. पुलिस के मुताबिक बीते 16 अप्रैल को फरियदिया राजुमारी नागवंशी के साथ आरोपी ने वारदात की. घायल अवस्था में राजकुमारी ने पुलिस को बताया था कि जीजा दशरथ उर्फ राज ने घर के बाहर बुलाकर जान से मारने की नीयत से पेट पर चाकू से हमला किया.

पुलिस ने 4 लाख का गांजा किया जब्त, 7 गिरफ्तार

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 20 मई. ट्रेन से भोपाल पहुंची गांजा तस्करों की गैंग पर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई की. पुलिस ने 5 महिला सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने लगभग 36 किलो गांजा जब्त कर किया है.

घरेलू सामान की आड़ में आरोपी गांजा तस्करी कर रहे थे और अब भोपाल में सप्लाई की तैयारी में थे. पंजाब मेल ट्रेन से गांजा तस्करी गैंग भोपाल पहुंची थी. बरामद गांजे की कीमत लगभग 4 लाख रूपये है. आरोपियों से गांजा सप्लाई नेटवर्क और अन्य संलिप्त आरोपियों के संबंध में पूछताछ जारी है. थाना प्रभारी अशोक मरावी के मुताबिक क्राइम ब्रांच ने पंजाब मेल ट्रेन से अवैध मादक पदार्थ गांजा लेकर भोपाल पहुंचे 5 महिला और 2 पुरूष तस्करों को गिरफ्तार किया गया है. आरोपी इतने शातिर थे कि पुलिस को भ्रमित करने के लिए गांजा परिवहन के दौरान अपने साथ घरेलू उपयोग का सामान जैसे प्लास्टिक की टोकरी, टप, तगाड़ी, पटा, बाल्टियां एवं अन्य सामग्री लेकर चल रहे थे, ताकि किसी को उन पर संदेह न हो सके.

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि कुछ महिला और पुरुष तस्कर पंजाब मेल ट्रेन से भारी मात्रा में गांजा लेकर भोपाल पहुंच रहे हैं और आउटर क्षेत्र में उतरकर करारिया जंगल के रास्ते पैदल-पैदल छोला क्षेत्र की ओर जाएंगे, जहां गांजा सप्लाई किया जाना है.

आरोपियों के कब्जे से मिले अलग-अलग बैग

सूचना मिलते ही क्राइम ब्रांच टीम ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई शुरू की. पुलिस टीम ने स्टेशन बजरिया क्षेत्र स्थित कोच फैट्री काली मंदिर के पास घेराबंदी कर सभी संदिग्धों को पकड़ा. पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में अपने नाम और पता बताया. पुलिस की तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से मिले अलग-अलग बैग, झोले एवं प्लास्टिक की बोरियों को चेक करने पर सभी सामानों के अंदर हरे रंग का पत्तीदार एवं नमीयुक्त पदार्थ भरा मिला.

अभियान जल गंगा संवर्धन अभियान में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की हो सकती है अहम भूमिका

राजधानी के 80 प्रतिशत मकानों में नहीं हैं रेन वाटर हार्वेस्टिंग

विजय शर्मा

भोपाल, 20 मई. जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में कुओं, बावड़ी, स्टापडेम सहित अन्य जलस्त्रोतों की सफाई और गहरीकरण का कार्य किया जा रहा है. जिससे जलस्तर को बढ़ाया जा सके.

शहर में जलस्तर बढ़ाने के लिए मकानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना आवश्यक है, लेकिन नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा रेन वाटर हार्वेस्टिंग के नियम का पालन करवाने में लापरवाह बनी हुई है. शहर के लगभग 80 प्रतिशत मकानों और कॉलोनियों में यह सिस्टम नहीं लगाये गए है. जबकि रेन वाटर हार्वेस्टिंग का नियम जून 2001 को अनिवार्य किया गया था जिसे केंद्रीय भूजल प्राधिकरण और शहरी विकास मंत्रालय ने लागू किया था. भोपाल नगर निगम द्वारा इस नियम का पालन नहीं करा पा रहा है.

नियमानुसार 1500 वर्गफीट या उससे अधिक के आवासों पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाना अनिवार्य है.नगर निगम मकान या कॉलोनी को परमीशन देने से पहले रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगवाने के लिए लगभग 12 हजार रुपए सुरक्षा निधि जमा करवाता है, जो मकान में सिस्टम लग जाने के बाद वापस किया जाने का प्रावधान है. अगर नगर निगम रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लगवाने के लिए सख्ती करे तो शहर के गिरते जल स्तर को बनाये रखने में अहम भूमिका हो सकती है. लेकिन जागरूकता के अभाव और निगम की लचीली व्यवस्था के चलते अधिकतर मकानों में यह सिस्टम नहीं लगा है. इस मामले को लेकर भवन अनुज्ञा शाखा के मुख्य सिटी प्लानर नीरज आनंद लिखार से मोबाइल से संपर्क करने की कोशिश की कई लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका. रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो शहर के मकानों और बड़े भवनों की छतों के बारिश के पानी को भूमि के अंदर पहुंचाता है.

नगर निगम के पास करोड़ों रुपए जमा

नगर निगम में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का नियम बन जाने के बाद से सुरक्षा निधि के नाम से करोड़ों रुपए जमा है. उसका प्रमख कारण है कि अधिकतर मकानों में यह सिस्टम लगाया ही नहीं गया है और जिन्होंने लगाया भी है तो वह भवन अनुज्ञा शाखा में पैसे वापस लेने नहीं आता है. इसका प्रमुख कारण है कि सिस्टम का प्रमाण पत्र लेने के लिए चक्कर लगाते रहो. उसके बाद फिर राशि वापस के लिए चक्कर लगाओ. इन सब झंझटों से बचने के लिए कोई भी जमा राशि को वापस लेने जाता ही नहीं है और वह राशि निगम के खाते में ही रह जाती है.

शहर का 500 फीट तक गिरा जलस्तर

शहर में पिछले कुछ वर्षों में भूजल लगातार गिरता जा रहा है. एक अनुमान के अनुसार शहर में पहले जो पानी 50 से 100 फीट की गहराई पर मिल जाता था, वह अब 400 से 500 फीट तक नीचे चला गया है. केंद्रीय भूजल बोर्ड के अनुसार, पिछले एक दशक में भोपाल के भूजल स्तर में 66 प्रतिशत तक गिरावट आई है.